# विश्व मच्छर दिवस 2022

विश्व मच्छर दिवस हर साल 20 अगस्त को मनाया जाता है. यह वह तारीख थी जब ब्रिटिश सेना के सर्जन सर रोनाल्ड रॉस ने 1897 में मादा एनोफिलीज मच्छर की खोज की थी और हमें पता चला कि यह मच्छर मलेरिया परजीवी का वाहक है।

## भारत में मच्छरों के प्रकार

| | | | |
|---|---|---|---|
| **मच्छर** | **एनोफेलीज** | **एडीज** (शरीर पर चीते जैसी धारियां) | **क्यूलेक्स** |
| **फैलने वाली बीमारी** | **मलेरिया** | **डेंगू, चिकुनगुनिया** | **जापानीज -इन्सेफेलाइटिस, फाइलेरियासिस** |
| **यह कब काटता है?** | **शाम के तुरंत बाद** | **दिन में** | **शाम को** |
| **यह अंडे कहाँ देता है?** | **साफ पानी में (गड्ढा, खेत, सिंचाई का पानी, कुएं)** | **रुके हुए पानी में (कूलर, ड्रम, बर्तन, बाल्टी, फूलदान, टैंक, टायर)** | **ताजा या स्थिर पानी में (कृत्रिम तालाब, स्विमिंग पूल, खाड़ियाँ, खाई और दलदली क्षेत्र)** |
| **जीवन चक्र: 24 घंटे में मच्छर का अंडा विकसित होकर लार्वा बनता है, 4 से 5 दिन बाद लार्वा प्यूपा में बदल जाता है और अगले दो दिनों में प्यूपा एक पूर्ण मच्छर बन जाता है।** | | | |
| **लार्वा की पहचान कैसे करें?** | **जल स्तर के ठीक नीचे, सीधा** | **पानी के नीचे, एक कोण बनाकर** 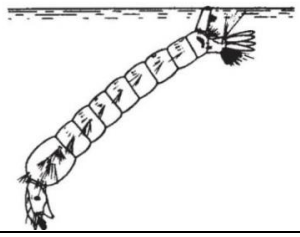 | **पानी के नीचे, एक कोण बनाकर** 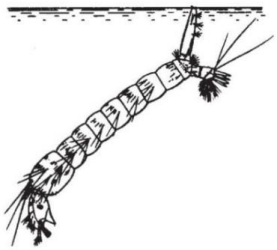 |

Source: National health portal of India

# मच्छरों से बचाव के तरीके

- किसी भी हाल में घर में मच्छर ना होने दें। मुमकिन हो तो खिड़कियों और दरवाजों पर महीन जाली लगवाएं।
- घर या ऑफिस के आसपास पानी जमा न होने दें।
- गड्ढों को मिट्टी से भर दें। रुकी नालियों को साफ करें।
- अगर पानी जमा होने से रोकना मुमकिन नहीं है तो उसमें पेट्रोल या केरोसिन ऑइल डालें।
- रूम कूलर, फूलदान का सारा पानी हफ्ते में एक बार और पक्षियों को दाना-पानी देने के बर्तन को रोज पूरी तरह खाली करें, उन्हें सुखाएं और फिर भरें।
- मच्छरों को भगाने और मारने के लिए क्रीम, स्प्रे, मैट्स, कॉइल आदि इस्तेमाल करें।
- घर के अंदर सभी जगहों में हफ्ते में एक बार मच्छरनाशक दवा का छिड़काव जरूर करें।
- यह दवाई फोटो-फ्रेम्स, पर्दों, कैलेंडरों आदि के पीछे और घर के स्टोर-रूम और सभी कोनों में जरूर छिड़कें।
- दवाई छिड़कते वक्त अपने मुंह और नाक पर कोई कपड़ा जरूर बांधें। साथ ही, खाने-पीने की सभी चीजों को ढककर रखें।
- शाम के समय पूरी आस्तीन के कपड़े पहनकर ही बाहर निकलें।
- सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें ।